संशोधित उत्तर

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5978

30.03.2026 को उत्तर के लिए

हरित भारत मिशन के अंतर्गत पौधरोपण कार्य

5978. श्री अनुराग शर्मा:
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:
श्री प्रभुभाई नगारभाई वसावा:
श्री विजय बघेल:
श्री बलभद्र माझी:
श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह:
श्री रमेश अवस्थी:
श्री भोजराज नाग:
श्री दुलू महतो:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री मनीष जायसवाल:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्रीमती संजना जाटव:
डॉ. निशिकान्त दुबे:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
सुश्री कंगना रनौत:
श्री महेंद्र सिंह सोलंकी:
श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री अनन्त नायक:
श्री आलोक शर्मा:
श्री राजीव प्रताप रूडी:
श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:
डॉ. के. सुधाकर:
श्री सतीश कुमार गौतम:
श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को वर्ष 2015 और 2025 के बीच राष्ट्रीय हरित भारत मिशन के अंतर्गत दर्ज पौधरोपण कार्य में आई कमी की जानकारी है और इस गिरावट ने देश में वन और हरित क्षेत्र को किस प्रकार प्रभावित किया है और इस प्रकार के कार्यकलापों की विशेषकर भरतपुर, नबरंगपुर, क्योंझर और भोपाल लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति क्या है;

(ख) यदि हां, तो उक्त कमी को दूर करने और पौधरोपण कार्यों में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं और उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में उक्त मिशन के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है;

(ग) भरतपुर और देवास-शाजापुर क्षेत्रों सहित राज्यों को अपने वन क्षेत्र में वृद्धि करने हेतु प्रोत्साहित करने हेतु 16वें वित्त आयोग द्वारा प्रदान किए गए वेटेज (वन क्षेत्र में वृद्धि और खुले वन समावेशन के लिए पुरस्कारों सहित) की विशिष्ट भूमिका का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या हैं;

(घ) क्या सरकार ने हरित भारत मिशन के डिजाइन में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और सुदूर संवेदन का उपयोग करते हुए कार्बन पृथक्करण निगरानी को सफलतापूर्वक एकीकृत किया है और यदि हां, तो उक्त निर्वाचन क्षेत्रों/क्षेत्रों सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-बार ब्यौरा क्या है और वन और पौधरोपण कार्यों पर इसका प्रभाव क्या है; और

(ङ) उक्त मिशन के अंतर्गत विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान कर्नाटक द्वारा आवंटित और उपयोग की गई निधि का विशेषकर बेंगलुरू सहित शहर-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) और (ख) हरित भारत मिशन (जीआईएम) राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (एनएपीसी) के तहत नौ मिशनों में से एक है और इसका उद्देश्य अभिज्ञात भूदृश्यों में वृक्षारोपण और पारिस्थितिकी तंत्र की पुनर्बहाली के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के उपशमन और अनुकूलन में योगदान करते हुए वन और वृक्ष आवरण की सुरक्षा, पुनर्बहाली और संवर्धन करना है। यह मिशन पारिस्थितिकीय, जल विज्ञान और सामाजिक-आर्थिक आयामों पर ध्यान देते हुए परिदृश्य आधारित दृष्टिकोण अपनाता है, जो परिदृश्य और सूक्ष्म-पारिस्थितिकी तंत्र स्तर पर वनों और संबद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के एकीकृत पुनर्स्थापन और प्रबंधन पर केंद्रित है। जीआईएम को एक अभिसरण-आधारित कार्यढांचे के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है, जो काम्पा, मनरेगा, राज्य वानिकी योजनाओं और अन्य वनीकरण और जलविभाजक पहलों सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के अनुरूप है। यह दृष्टिकोण संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करता है, प्रयासों के दोहराव से बचाता है और सामुदायिक भागीदारी के साथ बड़े परिदृश्य में पुनर्बहाली संबंधी कार्यों के स्तर को बढ़ाने में सक्षम बनाता है। जीआईएम के तहत

कार्यकलाप राज्यों द्वारा प्रस्तुत और राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित परिप्रेक्ष्य योजनाओं और वार्षिक संचालन योजनाओं के आधार पर की जाती हैं।

जीआईएम ने भारत के वन और वृक्ष आवरण में समग्र वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत वन राज्य रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, वन और वृक्षों का आवरण वर्ष 2015 में 7,94,245 वर्ग किमी से बढ़कर वर्ष 2023 में 8,27,356.95 वर्ग किमी हो गया है, जो 33,111.95 वर्ग किमी की निवल वृद्धि दर्शाता है। ये उपलब्धियां निरंतर वनीकरण, पारि-पुनर्बहाली और जीआईएम सहित विभिन्न योजनाओं के तहत केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों के कारण संभव हो पाई हैं। आईएसएफआर 2015 और 2023 के अनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार वन और वृक्ष आवरण का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में संलग्न है।

इसके अलावा, "एक पेड़ माँ के नाम" की व्यापक थीम के तहत, सार्वजनिक भागीदारी और चल रही योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से एक पर्यावरणीय और भावनात्मक प्रतिबद्धता के रूप में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए 05 जून 2024 को एक राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक वृक्षारोपण पहल शुरू की गई थी। एक पेड मां के नाम के तहत भरतपुर, नबरंगपुर, क्योंझर और भोपाल जिलों में किए गए समग्र वृक्षारोपण कार्यकलापों का ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग) वित्त आयोग वन और पारिस्थितिकी सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर राज्यों को निधि के हस्तांतरण की सिफारिश करता है। क्षैतिज हस्तांतरण फॉर्मूले में वन और पारिस्थितिकी को दिया गया भार राज्यों को वन आवरण बनाए रखने और बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है। वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत निधि का वितरण निर्वाचन क्षेत्र-वार नहीं बल्कि राज्य-वार किया जाता है। तदनुसार, भरतपुर या देवास-शाजापुर क्षेत्रों के लिए कोई अलग आवंटन नहीं किया गया है।

(घ) वन कार्बन स्टॉक के आकलन सहित वन और वृक्ष आवरण की निगरानी, भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) द्वारा रिमोट सेंसिंग, जीआईएस-आधारित उपकरणों और जमीनी स्तर पर सूचीकरण विधियों का उपयोग करके द्विवार्षिक रूप से की जाती है। इन मूल्यांकनों में हरित भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं के तहत किए गए वनीकरण और पुनर्बहाली संबंधी कार्यकलापों का प्रभाव शामिल है। आईएसएफआर 2023 के अनुसार वन कार्बन स्टॉक का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक-III में दिया गया है।

(ङ) हरित भारत मिशन के तहत निधि को अनुमोदित वार्षिक संचालन योजनाओं के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को जारी किया जाता है। कर्नाटक राज्य में पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान जीआईएम के तहत अनुमोदित कार्यकलापों के कार्यान्वयन के लिए निधि जारी की गई है। मिशन का कार्यान्वयन चयनित परिदृश्य जैसे सिद्धपुरा (उत्तर कन्नड़), अर्कालगुड (हसन) और चिंचोली (कलबुर्गी) में किया जा रहा है। कर्नाटक राज्य द्वारा जारी और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-IV** में दिया गया है।

अनुलग्नक-I

'हरित भारत मिशन के अंतर्गत पौधरोपण कार्य' के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को उत्तर के लिए श्री अनुराग शर्मा, श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव, श्री प्रभुभाई नगारभाई वसावा, श्री विजय बघेल, श्री बलभद्र माझी, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, श्री रमेश अवस्थी, श्री भोजराज नाग, श्री ढुलू महतो, श्रीमती कमलजीत सहरावत, श्री मनीष जायसवाल, श्री सुधीर गुप्ता, श्रीमती संजना जाटव, डॉ. निशिकान्त दुबे, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, सुश्री कंगना रनौत, श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्रीमती हिमाद्री सिंह, श्री अनन्त नायक, श्री आलोक शर्मा, श्री राजीव प्रताप रूडी, श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, डॉ. के. सुधाकर, श्री सतीश कुमार गौतम, श्री भर्तृहरि महताब द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न सं. 5978 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तालिका : आईएसएफआर 2015 और 2023 के अनुसार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार से वन और वृक्ष आवरण का ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य	2015 (वर्ग किमी में)	2023 (वर्ग किमी में)
1	आंध्र प्रदेश	28389	35424.98
2	अरुणाचल प्रदेश	68009	67083.2
3	असम	29236	30415.01
4	बिहार	9470	9902.66
5	छत्तीसगढ़	59215	62350.45
6	दिल्ली	299.77	371.31
7	गोवा	2549	2523.54
8	गुजरात	22574	21648.93
9	हरियाणा	2939	3307.28
10	हिमाचल प्रदेश	15453	16435.42
11	जम्मू एवं कश्मीर	31342	25013.36
12	झारखंड	26261	27403.33
13	कर्नाटक	41973	47033.42
14	केरल	22190	24965.3
15	मध्य प्रदेश	85235	85723.58

16	महाराष्ट्र	60186	65383.41
17	मणिपुर	17237	16795.28
18	मेघालय	17927	17687.4
19	मिजोरम	19283	18558.26
20	नागालैंड	13347	12616.49
21	ओडिशा	54340	58597.01
22	पंजाब	3315	3321.24
23	राजस्थान	24440	27389.33
24	सिक्किम	3392	3406.73
25	तमिलनाडु	30850	31820.94
26	तेलंगाना	24140	24696.7
27	त्रिपुरा	8044	7832.33
28	उत्तर प्रदेश	21505	23996.72
29	उत्तराखंड	24992	25534.97
30	पश्चिम बंगाल	18916	19770.45
31	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	6788	6759.89
32	चंडीगढ़	31.03	46.18
33	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव	263.61	262.45
34	लद्दाख*	0	3178.94
35	लक्षद्वीप	31.06	27.26
36	पुडुचेरी	82.38	73.2
	कुल	**7,94,244.85**	**8,27,356.95**

** लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश का गठन 31.09.2019 को हुआ।*

अनुलग्नक-।।

'हरित भारत मिशन के अंतर्गत पौधरोपण कार्य' के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को उत्तर के लिए श्री अनुराग शर्मा, श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव, श्री प्रभुभाई नगारभाई वसावा, श्री विजय बघेल, श्री बलभद्र माझी, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, श्री रमेश अवस्थी, श्री भोजराज नाग, श्री दुलू महतो, श्रीमती कमलजीत सहरावत, श्री मनीष जायसवाल, श्री सुधीर गुप्ता, श्रीमती संजना जाटव, डॉ. निशिकान्त दुबे, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, सुश्री कंगना रनौत, श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्रीमती हिमाद्री सिंह, श्री अनन्त नायक, श्री आलोक शर्मा, श्री राजीव प्रताप रूडी, श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, डॉ. के. सुधाकर, श्री सतीश कुमार गौतम, श्री भर्तृहरि महताब द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न सं. 5978 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तालिका : 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत भरतपुर, नबरंगपुर, क्योंझर और भोपाल जिले में पोर्टल के अनुसार किए गए कुल वृक्षारोपण का ब्यौरा :

क्र. सं.	जिला	शहरी अंकुर	ग्रामीण अंकुर	पौधों की कुल संख्या	साइटों की संख्या
1	भरतपुर	5,08,962	42,61,566	47,70,528	1,48,939
2	नबरंगपुर	72,505	19,31,333	20,03,838	12,852
3	क्योंझर	4,07,694	48,45,878	52,53,572	5,033
4	भोपाल	91,531	6,82,934	7,74,465	694

अनुलग्नक-III

'हरित भारत मिशन के अंतर्गत पौधरोपण कार्य' के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को उत्तर के लिए श्री अनुराग शर्मा, श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव, श्री प्रभुभाई नगारभाई वसावा, श्री विजय बघेल, श्री बलभद्र माझी, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, श्री रमेश अवस्थी, श्री भोजराज नाग, श्री ढुलू महतो, श्रीमती कमलजीत सहरावत, श्री मनीष जायसवाल, श्री सुधीर गुप्ता, श्रीमती संजना जाटव, डॉ. निशिकान्त दुबे, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, सुश्री कंगना रनौत, श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्रीमती हिमाद्री सिंह, श्री अनन्त नायक, श्री आलोक शर्मा, श्री राजीव प्रताप रूडी, श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, डॉ. के. सुधाकर, श्री सतीश कुमार गौतम, श्री भर्तृहरि महताब द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न सं. 5978 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तालिका : आईएसएफआर 2023 के अनुसार वन कार्बन स्टॉक का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा के अनुसार ब्योरा

क्र. सं.	राज्य	वन कार्बन स्टॉक '000 टन में
1	आंध्र प्रदेश	233592
2	अरुणाचल प्रदेश	1021160
3	असम	272310
4	बिहार	58451
5	छत्तीसगढ़	504614
6	दिल्ली	1221
7	गोवा	25513
8	गुजरात	108322
9	हरियाणा	10476
10	हिमाचल प्रदेश	255016
11	जम्मू एवं कश्मीर	371629
12	झारखंड	186434
13	कर्नाटक	408255
14	केरल	214084
15	मध्य प्रदेश	608420
16	महाराष्ट्र	464682

17	मणिपुर	175925
18	मेघालय	183230
19	मिजोरम	168477
20	नागालैंड	132629
21	ओडिशा	453678
22	पंजाब	13595
23	राजस्थान	110171
24	सिक्किम	56827
25	तमिलनाडु	217560
26	तेलंगाना	161732
27	त्रिपुरा	74254
28	उत्तर प्रदेश	120134
29	उत्तराखंड	376612
30	पश्चिम बंगाल	154366
31	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	108817
32	चंडीगढ़	199
33	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव	1962
34	लद्दाख	30651
35	लक्षद्वीप	217
36	पुडुचेरी	315
कुल		**72,85,530 ('000 टन)**

अनुलग्नक-IV

'हरित भारत मिशन के अंतर्गत पौधरोपण कार्य' के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को उत्तर के लिए श्री अनुराग शर्मा, श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव, श्री प्रभुभाई नगारभाई वसावा, श्री विजय बघेल, श्री बलभद्र माझी, श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, श्री रमेश अवस्थी, श्री भोजराज नाग, श्री दुलू महतो, श्रीमती कमलजीत सहरावत, श्री मनीष जायसवाल, श्री सुधीर गुप्ता, श्रीमती संजना जाटव, डॉ. निशिकान्त दुबे, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, सुश्री कंगना रनौत, श्री महेंद्र सिंह सोलंकी, श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्रीमती हिमाद्री सिंह, श्री अनन्त नायक, श्री आलोक शर्मा, श्री राजीव प्रताप रूडी, श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, डॉ. के. सुधाकर, श्री सतीश कुमार गौतम, श्री भर्तृहरि महताब द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न सं. 5978 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तालिका : पिछले तीन वर्षों और इस वर्ष के दौरान कर्नाटक राज्य द्वारा जारी और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा

वित्तीय वर्ष	जारी की गई निधि (लाखों रुपये में)			कुल उपयोग की गई निधि (लाखों रुपये में)
	केंद्रीय (60%)	राज्य (40%)	कुल	
2022-23	292.842	195.228	488.07	438.5
2023-24	233	161.89	394.89	444.83
2024-25	499	326.39	825.39	792.85
2025-26	95	63.336	158.33	108.47
कुल	**1119.84**	**746.844**	**1866.68**	**1784.65**